



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 1  
PART III—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 14]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 25, 1987/आषाढ़ 4, 1909

No. 14]

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 25, 1987/ASADHA 4, 1909

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरोधन)

अर्जन रेंज I

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ब(1) के  
अधीन सूचनाएं

नई दिल्ली, 17 जून, 1987

निर्देश सं. आई. ए. सी./एन्यू./1237जी/9-86/667.—अतः मुझे एस. मा. गुप्ता आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसका पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब के अधीन राशन अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जा प्रावर्डी नं० डब्ल्यू 14, नंदावा 500 वर्ग गज प्लेटर कैलाश-1 नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है, राजस्वकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली-1 में भारतीय राजस्वीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1986 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बावजूद ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) चत्वरण से हुई किसी आय का वास्तविक आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक

के वास्तविक में कर्मा करने या उसमें घटने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों का, जिन्होंने भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्न-लिखित व्यक्तियों, अधीन:—

1. श्री बलराज कुमार सुंद मुगुत्र  
और रुय साहिब मेजर गणपत रुय, (अन्तरक)
2. श्रीमती शिवांगी कपूर, पत्नी श्री शक्ति कपूर,  
63/5, एन. ड. ए. मोड राजिन्दर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिति)

की यह सूचना आरंभ करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्ति

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्यन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन

की सख्ति बाद में समाप्त होता हो, के भारत पूर्वोक्त व्यवस्थाओं में निम्न व्यक्ति द्वारा :

(ख) इस सूचना के प्रकाश में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन के भारत उक्त स्यावर सम्पत्ति में निम्नलिखित निम्न व्यक्ति द्वारा अग्रतन्त्राक्षरों के साथ निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

सादीकरण—इसमें प्रयुक्त जहाँ प्राप्ति पर, का स्यावर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में क्या परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/5 अविभाज्य शेयर प्राप्ति डक्यू-14, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली ताकदी 500 वर्ग गज।

तारीख 17-6-87

मोहर

\*( जो लागू न हो उसे काट दीजिए )

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-I

Notices under Section 269 D (1) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

New Delhi, the 17th June, 1987

Ref. No. I.A.C. (Acq)/Range-I/SR-III/9-86/667.—Whereas I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Property No. W-14, Measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule-annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi\* in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have

not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Balraj Kumar Sud S/o Shri Rai Sahib Major Ganpat Rai (Transferor)
- (2) Mrs. Shivangi Kapur w/o Shri Shakti Kapur r/o 63/5, N.E.A. Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

2/5th undivided share of property No. W-14, measuring 500 Sq. Yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

Dated : 17-6-87

Seal

\*Strike off where not applicable.

निर्देश सं. आई. ए. सी. /एसयू/1/37-जे/9-86/668.—अतः मुझे, एस. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सख्त अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000 रु० से अधिक है और जिसकी संख्या जो 2/5, अविभाज्य शेयर प्राप्ति नं. डक्यू-14, ताकदी है तथा 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधिनियम तारीख सितम्बर, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गन्धायोक्ति सम्पत्ति का उचित-बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अस्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों)

के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किम आया की वास्तव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) के अध्याय 20-क के अन्तरण के अभाव में कर्म करने या उसमें करने में सुविधा के लिए और या
- (ख) ऐसा किसी या किसी धन या अन्य धर्मियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 23) या धन कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरण द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उप-धारा (1) के अधिनियम निम्नलिखित धर्मियों, यथातः :—

1. श्री बलराज कुमार सुद सुभ्र  
राय साहिब मेजर गणपत राय (अन्तरक)
2. श्री शक्ति कपूर सुभ्र श्री सिकंदर लाल कपूर,  
63/5, एन ई ए ओल्ड राजिंदर नगर, नई दिल्ली (अन्तरिनि)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्य-वाही शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीष्टताधारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2/5 अधिभाज्य गेयर प्रापर्टी नं. इन्क्यू 14, लादादी 500 वर्ग गज ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

तारीख 17-6-87

मोहर

\*(जो लागू न हो उसे काट दीजिए)

Ref. No. I.A.C. (Acq)|Range-I|SR-III|9-86|668.—  
Whereas I, S. C. GUPTA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100000 and bearing Property No. W-14 Measuring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-1, New Delhi (and more fully described in the Sche-

dule-annexed hereto) has been transferred and \*registered under Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at N. Delhi\* in September, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

- (1) Shri Balraj Kumar Sud s/o Shri Rai Sahib Major Ganpat Rai (Transferor)
- (2) Shri Shakti Kapur S/o Shri Sikander Lal Kapur r/o 63/5, N.E.A. Old Rajinder Nagar, New Delhi (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## SCHEDULE

2[5th undivided share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

Date 17-6-1987

Seal

\*Strike off where not applicable

निर्देश सं. आई. ए. सा. /एक्यू 1/37 इई/9-86/213 /669-—  
अतः मुझे एम. सी. गुप्ता आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् "उक्त अधिनियम" कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 100000  
रु. से अधिक है और जिसकी संख्या है तथा जो उक्त -14 ग्रेटर कैलाश 1  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपवादा अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रार प्रधिकारी के कार्यालय, में भारतीय आयकर अधिनियम,  
1961 अधिनियम संख्या, 86 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरण की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित-बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पद्धत प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लग पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावन आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरण  
के दायित्व में कमा करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
या धन कर-अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बलराज कुमार सुपुत्र राय साहिब मेजर गणपत राय (अन्तरक)
2. मास्टर सिद्धार्थ कपूर सुपुत्र शक्ति कपूर 63/5, एन.  
इ. ए. ओल्ड राजिन्तर नगर, नई दिल्ली द्वारा पितृ और  
अभिभावक श्री शक्ति कपूर (अन्तरित)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही शुरू करता हूँ। उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई  
भी आक्षेप

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख  
से 30 दिन की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
के भीतर उक्त आयकर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य  
व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा  
सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क  
में यथा परिभाषित है, यहाँ यथा होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

1/5 अधिवासी शीयर प्रापटी नं. उक्त 14 तारखे 500 वर्ग गज  
ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली

तारीख 17-6-1987

मोहर

\* (जो लागू न हो उस काट दीजिए)

एम. सा गुप्ता, सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I

Ref. No. I.A.C. (Acq) [Range-I] SR-III[9-86]669—  
Whereas I, S. C. Gupta being the Competent  
Authority under section 269B of the Income-tax Act,  
1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said  
Act) have reason to believe that the immovable pro-  
perty having a fair market value exceeding  
Rs. 100000 and bearing Property No. W-14, Mea-  
suring 500 sq. yds. situated at Greater Kailash-I,  
New Delhi (and more fully described in the Sche-  
dule-annexed hereto) has been transferred and \*re-  
gistered under Registration Act 1908 (16 of 1908,  
in the Office of the registering Officer at N. Delhi.\*  
in September, 1986 for an apparent consideration  
which is less than the fair market value of the afore-  
said property and I have reason to believe that the  
fair market value of the property as aforesaid ex-  
ceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration  
and that the consideration for such transfer as ag-  
reed to between the transferor(s) and transferee(s)  
has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the  
liability of the transferor to pay tax under  
the said Act in respect of any income  
arising from the transfer, and
- (b) facilitating the concealment of any income  
or any moneys or other assets which have  
not been or which ought to be disclosed by  
the transferee for the purposes of the Indian  
Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27  
of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C,  
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the Issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to  
the following persons, namely :

Shri Balraj Kumar Sud S/o Rai Sahib Major  
Ganpat Rai. (Transferor)

- (2) Master Siddarth Kapur S/o Shri Shakti Kapur r/o 63/5, NEA Old Rajinder Nager, New Delhi through his father and natural guardian Shri Shakti Kapur (Transferee).

Explanation—The terms and expressions used herein as are Defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### SCHEDULE

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

1/5th undivided share of property No. W-14, measuring 500 Sq. yds. Greater Kailash-I, New Delhi.

- (a) by any aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

S. C. GUPTA, Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax) Acquisition Range-I

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Dated : 17-6-1987

Seal

\*Strike off where not applicable.

